हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका

संगम

विचार, अभिव्यक्ति एवं सृजन का मिलाप

खण्ड – 03, अंक – 03

अक्टूबर – दिसम्बर 2014

निदेशक की कलम से.....

संगम पत्रिका खण्ड –03 के अंक–03 के प्रकाशन के साथ अपनी सफलता के सोपान चढ़ रही है। यह हर्ष का विषय है कि इस अवधि में यह पत्रिका जन जन के हृदय में अपना विशिष्ट स्थान बना चुकी है। विगत् अक्टूबर से दिसम्बर 2014 की अवधि में संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों तथा गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण इस अंक में समाहित किया गया है। इस पत्रिका के प्रकाशन से संस्थान की महत्वपूर्ण गतिविधियों का अभिलेखीकरण भी हो रहा है। विगत तीन माह में विभिन्न विभागों द्वारा अल्पकालिक पाठ्यक्रम एवं संगोष्ठियों का आयोजन कर अपनी विशेषज्ञता को प्रतिभागियों के साथ साझा किया जाना उल्लेखनीय कदम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ भारत अभियान का हिस्सा बनते हुये संस्थान ने स्वच्छता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती 02 अक्टूबर 2014 के अवसर पर इस अभियान की शुरूआत की गयी।

संस्थान के प्रतिभाशाली छात्रों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के लिये प्रत्येक वर्ष तकनीकी उत्सव ''आविष्कार'' का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन में तकनीकी रूप से सक्षम छात्र अपने तकनीकी ज्ञान का प्रदर्शन करते है। इस प्रकार के तकनीकी उत्सव के आयोजन से छात्रों में रचनात्मक रूचि का विकास होता है।

पत्रिका के निरन्तर प्रकाशन हेतु सम्पादक मण्डल का आभार व्यक्त करता हूं कि उनके अथक् प्रयासों से यह पत्रिका एक नये आयाम को छू रही है।

संस्थान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर भास्त्री की जयन्ती का आयोजन

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती के उपलक्ष्य में एमएनएनआईटी इलाहाबाद में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक सहित सभी शिक्षाविद उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के कार्यकारी निदेशक प्रो. एस. के. दुग्गल ने गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यापर्ण करके किया, इसके बाद उन्होंने गांधी जी एवं शास्त्री जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि गांधी जी के विचार वर्तमान समय में भी प्रभावशाली हैं, गांधी जी के विचारों को आत्मसात् करना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि है। इसके पश्चात् अनेक शिक्षकों ने गांधीवादी आदर्शों पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर महात्मा गांधी को विशेष रूप से प्रिय भजन '' वैष्णव जन तो तेने कहिये जे'' का गायन किया गया। संस्थान के छात्रों ने ''रघुपति राघव राजा राम'' तथा ''दे दी हमें आजादी'' जैसे भजन गा कर बापू को याद किया । गांधी जयन्ती के अवसर पर कुलसचिव (कार्यवाहक) डा. सर्वेश कुमार तिवारी ने स्वच्छ भारत अभियान हेतु शपथ ग्रहण कराया, जिसमें संस्थान के अध्यापकों, कर्मचारियों, छात्र एवं छात्राओं ने भारी संख्या में भाग लिया।

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद

इलाहाबाद –211004

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती पर स्वच्छ भारत अभियान का आरम्भ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री की जयन्ती के अवसर पर प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्देशित किये गये ''स्वच्छ भारत अभियान'' में संस्थान के अध्यापकों एवं कर्मचारियों ने उत्साह के साथ हिस्सेदारी की। इस अवसर पर कुलसचिव (कार्यकारी) डा. सर्वेश कुमार तिवारी ने स्वच्छ भारत अभियान हेतु शपथ ग्रहण करायी। कार्यकारी निदेशक प्रो. एस. के. दुग्गल ने सभी को सफाई अभियान हेतु अपना अमूल्य योगदान देने के लिये आमंत्रित किया तथा स्वयं झाड़ू लगाकर कैम्पस की सफाई की। डा. राजेश कुमार शास्त्री, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी अधिकारी, तथा डा. सुशील कुमार, सफाई अभियान के समन्वयक ने कार्यक्रम का संयोजन किया। उन्होंने एमएनएनआईटी परिसर को साफ–सफाई कराने में अध्यापकों एवं कर्मचारियों के साथ अपना योगदान दिया। डा. राजीव श्रीवास्तव कार्यकारी अध्यक्ष छात्र गतिविधि केन्द्र ने पूरे कार्यक्रम के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उक्त सफाई अभियान में प्रमुखतः से भागेदारी करने वाले अन्य लोगों में प्रो. आर. के. सिंह, प्रो. ए. डी. भट्ट, प्रो. आर. पी. तिवारी, प्रो. के. के. शुक्ला डीन (शैक्षिक), प्रो. एम.एम. गोरे, प्रो. राकेश नारायण, प्रो. आर. के. श्रीवास्तव, प्रो. संजय चौबे, डा. शिवेश शर्मा एवं डा. रमेश पाण्डेय इत्यादि प्रमुख रूप से रहे।

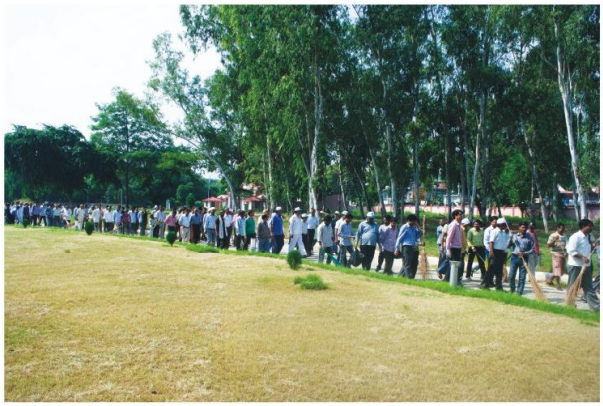

कार्यक्रम के अन्त में कार्यकारी निदेशक प्रो. एस. के. दुग्गल ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम को आगे भी सामूहिक रूप से चलाने की ज़रूरत है, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से निवेदन किया कि हमें सफाई अपने कार्य स्थल से शुरू करनी चाहिए, तभी महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत का सपना साकार किया जा सकता है और भारत विश्व में सर्वोत्तम स्वच्छ देश का दर्जा प्राप्त कर सकता है।

जानपदीय अभियन्त्रण विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

भू पर्यावरण के मुद्दों और टिकाऊ शहरी विकास विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन एमएनएनआईटी इलाहाबाद में 11 एवं 12 अक्टूबर, 2014 को आयोजित किया गया। इसका आयोजन संस्थान के जानदीय अभियान्त्रिकी विभाग द्वारा भारतीय भू तकनीकी सोसाइटी, इलाहाबाद चैप्टर एवं इन्स्टीट्यूशन ऑफ इन्जीनियर्स (इण्डिया) स्थानीय केन्द्र, इलाहाबाद के सहयोग से आयोजित किया गया। इस सम्मेलन के माध्यम से भू पर्यावरण के मुद्दों और टिकाऊ शहरी विकास में चुनौतियों की खोज पर प्रकाश डाला गया। इसके अन्तर्गत दूषित मिट्टी की समस्याओं, भूमि सुधार, जोखिम मूल्यांकन और प्रबन्धन, भू तकनीकी तथा भू पर्यावरणीय जांच, जलवायु परिवर्तन के मुद्दों, भू प्रौद्योगिकी संख्यात्मक और अन्य विश्लेषणात्मक उपकरणों, साफ्टवेयर, शहरी क्षेत्र में जल प्रबन्धन, भू पर्यावरणीय आपदा प्रबन्धन, भू तकनीकी मुद्दों एवं सीमाओं सम्बन्धी मामलों का अध्ययन किया गया। इस सम्मेलन में भू तकनीकी, भू पर्यावरण, पर्यावरण अभियन्ता, शहरी योजनाकार एवं डिजाइनर्स, अभ्यासकर्ता, अनुसंधानकर्ता, पेशेवर तथा इस क्षेत्र में अनुसंधान करने वाले छात्रों को एक साथ लाने का लक्ष्य रखा गया था।

महात्मा गांधी जयन्ती 02 अक्टूबर, 2014 के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ '' स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत'' अभियान को बढ़ावा देने में इस सम्मेलन का मूल विषय–बिन्दु ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सम्मेलन में समस्त भारत से आये प्रतिनिधियों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसने स्मार्ट शहरों के टिकाऊ शहरी विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने पर बल दिया, इससे सम्मेलन के विषय पर बहस, चर्चा एवं खोज को बढावा मिला। इस सम्मेलन के संरक्षक प्रोफेसर पी. चक्रबर्ती, निदेशक, एमएनएनआईटी इलाहाबाद एवं श्री जे.एन. सिंह, कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मेजा ऊर्जा निगम (प्रा.) लिमिटेड सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह को सम्बोधित किया। प्रो. सौमयन गुहा, आईआईटी कानपुर, प्रो. मनोज दत्ता, आईआईटी दिल्ली, प्रो. महेन्द्र सिंह, आईआईटी रूड़की, प्रो. चन्दन घोष, एनआइडीएम दिल्ली एवं प्रो. बी.वी.एस. विश्वनाथम इस सम्मेलन से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। इस सम्मेलन के संयोजक प्रो. आर. के. श्रीवास्तव, प्रो. आर.पी. तिवारी एवं आयोजन सचिव डा. कुमार वेंकटेश के अनुसार सम्मेलन के दौरान भू पर्यावरण अभियान्त्रिकी के क्षेत्र में बहस एवं चर्चाएं की गयी जिससे विभिन्न नये और अभिनव विचार प्राप्त हुये। ये अभिनव विचार वर्तमान के परिपेक्ष्य में समाज के लिये सार्थक एवं महत्वपूर्ण होंगे।

तकनीकी एवं प्रबन्धन वार्शिक उत्सव ''आविष्कार'' का आयोजन

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान का टेक्फेस्ट आविष्कार ''नेचर मीट्स टेक्नोलाजी'' की थीम के साथ 16–19 अक्टूबर को सम्पन्न हुआ। इसकी शुरूआत जीएनओ–टाल्क के साथ हुई। विपुल गोयल, अरूनभ कुमार के साथ हंसी की महफिल और बैजू धर्माजन, सूरजमनि ने सुरों की दुनिया को सजोया। इसमें छात्रों के लिये इन हस्तियों के साथ प्रश्न उत्तर का अवसर दिया गया। जीएनओ–टाल्क से शुरू होकर आविष्कार में अगले तीन दिन कई तरह के इवेन्ट्स हुये। जिसमें हर इन्जीनियरिंग ब्रांच के कई इवेन्ट्स के साथ –साथ क्विजिंग प्रतियोगिता ''GNOSIOMANIA'' का भी आयोजन हुआ, जिसमें बिजनेस, मेला स्पोर्ट्स और इण्डिया क्विज शामिल है। इसके साथ–साथ ''क्रीडोमेनिया'' में कम्प्यूटर गेम्स के

लिये जोर आजमाइश हुई और छात्रों का ज्ञान बढ़ाने के लिये ''जिज्ञासा'' के अंतर्गत विभिन्न कार्यशाला भी आयोजित की गयी थी। इसके साथ इन्फार्मल इवेन्ट्स के तौर पर ''ओलिगोपोली'' का भी आयोजन किया गया था। जिसमें छात्रों के पास नेतृत्व क्षमता दिखाने के साथ–साथ अपनी मार्केटिंग हुनर दिखाने का मौका मिला। इन्जीनियरिंग ब्रांच के इवेन्ट्स साइबरक्वेस्ट, इलेक्ट्रोमेनिया, जेनेसिस, निर्माण मेक्रोकॉज्म, पावरसर्ज और रसायन के अंतर्गत सम्पन्न हुये। एमएनएनआईटी इलाहाबाद के वार्षिक तकनीकी प्रबन्धन उत्सव ''आविष्कार'' पूरे जोश व उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस उत्सव का उद्घाटन समारोह संस्थान के बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अपने अभिभाषण में विचारों को व्यक्त करते हुये प्रो. चक्रबर्ती ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा दिया जाता है इसके अतिरिक्त उनके तकनीकी ज्ञान एवं प्रतिस्पर्धी कौशल को बेहतर करने के लिये एक स्तरीय मंच भी प्रदान किया जाता है।

अध्यक्ष, छात्र कियाकलाप केन्द्र डा. शिवेश शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों को सामूहिक विचारों, आचरण एवं ज्ञान के अदान–प्रदान का अवसर मिलता है। डा. असीम मुखर्जी एवं डा. कुमार वेंकटेश आविष्कार 2014 के संकाय समन्वयक, ने प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले सभी विजेता प्रतियोगियों को बधाइयां दीं और कहा कि छात्रों के तकनीकी ज्ञान तथा बौद्धिक विकास के लिये आविष्कार जैसे तकनीकी उत्सव का आयोजन किया जाता है।

छात्रों के जोश एवं उत्साह से भरे हुए शाम की शुरूआत कॉमनमैन इन्वेन्टर कहे जाने वाले प्रवीण वेट्टीयाट्टिल से हुयी। उन्होंने छात्रों को इंजीनियरिंग में नयी सोच के महत्व के बारे में बताया।

अरूनाभ कुमार, विपुल गोयल एण्ड बज्जू धर्माजन जैसी भारत की प्रमुख हस्तियों ने नवोदित इन्जीनियरों को भविष्य की सफलता के लिये प्रोत्साहित तथा अपने अनुभवों को साझा किया।

संस्थान में तकनीकी एवं प्रबन्धन वार्शिक उत्सव ''आविश्कार'' की झलकियां

कर्नल संजीव बनर्जी (सेवानिवृत्त) एमएनएनआईटी इलाहाबाद के नये कुलसचिव नियुक्त

कर्नल संजीव बनर्जी (से.नि.) एमएनएनआईटी इलाहाबाद के नये कुलसचिव नियुक्त किये गये। उन्होंने 03 दिसम्बर 2014 को संस्थान में अपना पदभार ग्रहण किया। एमएनएनआईटी इलाहाबाद में आने के पूर्व आप सेना में सेवारत् रहते हुये 510 आर्मी बेस वर्कशाप, मेरठ में तैनात थे तथा वहीं से आपने सेवानिवृत्ति लिया।

कर्नल बनर्जी 1986 में सेना में सेवारत् हुये थे। अपने 28 साल के शानदार कैरियर के दौरान सेना की विभिन्न यूनिटों, टुकड़ियों तथा आपरेशन्स में उल्लेखनीय कार्य किया। जिसमें श्रीलंका में ''ऑपरेशन पवन'', असम में ''ऑपरेशन राइनो'' तथा जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद विरोधी ''ऑपरेशन हिफाज़त'' इत्यादि प्रमुख रूप से उल्लेखनीय है। आपने राजस्थान में सेना के बख्तरबन्द इकाई में भी अपनी सेवायें प्रदान की तथा रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय में भी कार्य किया। एमएनएनआईटी इलाहाबाद में कुलसचिव नियुक्त होने से पूर्व आपने सेना में सेवारत् रहते हुये देश के कई प्रान्तों में सेवा प्रदान की।

कर्नल संजीव बनर्जी (से.नि.) की प्रारम्भिक शिक्षा–दीक्षा अजमेर (राजस्थान) से शुरू हुई। गवर्नमेन्ट कॉलेज अजमेर से वर्ष 1985 में आपने बैचलर ऑफ साइन्स की उपाधि प्राप्त की। इसी क्रम में ईएमई स्कूल, बड़ोदरा (गुजरात) से 1987 में डिप्लोमा इन आटोमोबाइल की उपाधि वर्ष 1995 में एमसी ईएमई सिकन्दराबाद–जेएनयू, नई दिल्ली से बी.टेक. (मैकेनिकल इन्जीनियरिंग) तथा वर्ष 2000 में एम.टेक. (मैकेनिकल इन्जीनियरिंग) की उपाधि प्राप्त की।

आपके द्वारा सेना में किये गये उल्लेखनीय योगदान तथा प्रशासनिक कार्यों के अपार अनुभव से एमएनएनआईटी इलाहाबाद अवश्य ही लाभान्वित होगा तथा प्रगति के शिखर की ओर अग्रसर होगा।

राश्ट्रीय एकता दिवस की झलकियां

एम.एन.एन.आई.टी. इलाहाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती को राश्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया

एम.एन.एन.आई.टी. इलाहाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाये जाने तथा एकता, सुरक्षा एवं निर्भयता का संन्देश प्रसारित करने के सम्बन्ध में 31 अक्टूबर 2014 को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः 07.00 बजे '' रन फॉर यूनिटी'' से किया गया। यह दौड़, एमएनएनआईटी इलाहाबाद के यमुना द्वार से कार्यवाहक निदेशक प्रो. एस. के. दुग्गल द्वारा हरी झण्डी दिखा कर आरम्भ की गयी तथा मजार चौराहे से होते हुए सरस्वती द्वार पर समाप्त हुई। कुलसचिव (कार्यकारी) डा. सर्वेश कुमार तिवारी द्वारा अध्यापकों, छात्रों तथा कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गयी तथा उपस्थित जनसमूह द्वारा राष्ट्रगान का गायन किया गया।

इस अवसर पर कार्यवाहक निदेशक प्रो. एस. के. दुग्गल ने सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुये कहा कि '' सरदार पटेल एक दूरदृष्टा तथा मजबूत इरादे के व्यक्ति थे, भारत के प्रथम गृहमन्त्री के रूप में उन्होंने भारत के उत्थान तथा विकास के लिये महत्वपूर्ण कार्य किये। यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह सरदार पटेल के विचारों को आत्मसात् करते हुए राष्ट्र की एकता, सुरक्षा तथा विकास में अपना योगदान दें।'' संस्थान के केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा लिखित पुस्तकों एवं उनके जीवन पर प्रकाशित पुस्तकों तथा विचारों की एक प्रदर्शनी सहित उनके जीवन यात्रा की चित्रात्मक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन कार्यवाहक निदेशक प्रो. एस. के. दुग्गल द्वारा किया गया।

''सरदार पटेल द्वारा राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा तथा निर्भयता में किये गये योगदान'' विषय पर पैनल डिस्कशन में प्रो. गीतिका तथा प्रो. एम.एम. गोरे सहित संस्थान के छात्र–छात्राओं ने अपने विचार प्रस्तुत किये। सेफ्टी, सिक्युरिटी, यूनिटी ऑफ इण्डिया विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन संस्थान के सेमीनार हाल में किया गया। सरदार पटेल की जयन्ती के अवसर पर सरदार पटेल के योगदान को यादगार बनाने के लिये संस्थान के समस्त डिस्प्ले युनिट पर एक लघु चलचित्र का प्रदर्शन भी किया गया। सांयकाल कार्यक्रम का समापन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा मार्च पास्ट के साथ किया गया।

संस्थान में हरियाली एवं स्वच्छता जारूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित साइकिल रैली की झलकियां

संस्थान में हरियाली एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत साइकिल रैली का आयोजन

एमएनएनआईटी इलाहाबाद में पुराछात्र एसोसिएशन द्वारा आयोजित पुराछात्र सम्मेलन में संस्थान के पूर्व छात्र तथा वर्तमान समय के प्रख्यात विद्वान, कारपोरेट लीडर्स तथा सफल मैनेजर्स ने भाग लिया और संस्थान में बिताये गये पलों को आपस में साझा किया। गोल्डन जुबली बैच (1961–64) तथा सिल्वर जुबली बैच (1989) के छात्रों ने नवम्बर 08 से नवम्बर 09, 2014 में संस्थान में आयोजित पुराछात्र सम्मेलन में शिरकत की। इस अवसर को यादगार बनाने के लिये माननीय प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूरे देश में आरम्भ किये गये स्वच्छ भारत अभियान के प्रति हरियाली एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 09 नवम्बर 2014 को प्रातः 8.30 बजे साइकिल रैली का आयोजन किया गया तथा पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का संदेश प्रसारित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इलाहाबाद श्री दीपक कुमार ने इस अवसर पर कहा कि यह बड़े हर्ष का विषय है कि एमएनएनआईटी इलाहाबाद के सिल्वर जुबली बैच के पुराछात्रों ने पर्यावरण तथा स्वच्छता की जागरूकता के लिये साइकिल रैली का आयोजन किया। विश्व में हमारे टेक्नोक्रेट्स ने सफलता के शिखर को छुआ है। यदि ये टेक्नोक्रेट्स तकनीकी के प्रयोग से गरीबों के जीवन स्तर में सुधार ला सके तो ये और अच्छी बात होगी। जिलाधिकारी इलाहाबाद श्री भवनाथ, ने इस साइकिल रैली की सराहना करते हुये कहा कि नागरिकों को पर्यावरण की सुरक्षा तथा स्वच्छता हेतु जागरूक करने के लिये इस प्रकार का आयोजन समय–समय पर होते रहना चाहिये। उन्होंने झण्डी दिखा कर इस साइकिल रैली का शुभारम्भ किया। साइकिल रैली में पुराछात्रों सहित संस्थान के निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार सहित शिक्षकगण तथा छात्रों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, इसलिये स्वच्छता अनिवार्य है। स्वच्छता किसी भी रूप में हो, चाहे हमारे आसपास की स्वच्छता या फिर पर्यावरण की स्वच्छता। इस अभियान में प्रत्येक नागरिक का सहयोग आवश्यक है। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश देना चाहता हूं कि भारत को स्वच्छ रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और इसकी शुरूआत अपने घर तथा आसपास के वातावरण से की जानी चाहिये। संस्थान के पुराछात्र इन्जीनियर भाष्कर ने इस आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

एमएनएनआईटी इलाहाबाद के गणित विभाग में इन्जीनियरिंग और विज्ञान में गणित के अनुप्रयोग'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

एमएनएनआईटी इलाहाबाद के गणित विभाग द्वारा '' इन्जीनियरिंग और विज्ञान में गणित के अनुप्रयोग'' नामक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 29–30 नवम्बर, 2014 को किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. पी. चक्रबर्ती, निदेशक एमएनएनआईटी इलाहाबाद द्वारा किया गया। कार्यक्रम के चेयरमैन डा. एस. एन. पाण्डेय ने प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा समन्वयक डा. पीतम सिंह ने राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्देश्यों के बारे में बताया। कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर प्रो. आर. के. श्रीवास्तव समन्वयक टीक्यूआईपी–द्वितीय ने गणित के प्रयोगों पर प्रकाश डाला।

सम्मेलन में 67 आमंत्रित वक्ताओं ने विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन में टीक्यूआईपी–द्वितीय तथा एमएनएनआईटी इलाहाबाद ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. एस.एन. पाण्डेय, समन्वयक डा. पीतम सिंह, सह समन्वयक डा. प्रमोद कुमार यादव, आयोजक सचिव डा. मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष डा. सहदेव पाढ़ी थे।

एमएनएनआईटी इलाहाबाद के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में विशेशज्ञों के व्याख्यानों का आयोजन

एमएनएनआईटी इलाहाबाद के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा दो विशेषज्ञों के व्याख्यानों का आयोजन किया गया। प्रो. लता रंगन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी ने '' पादप जैव प्रौद्योगिकी में फ्लो सायटोमिट्री का प्रयोग'' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रो. रमाशंकर वर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास ने ''कोशिका जीव विज्ञान और ऊतक पुनर्जनन'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयन्ती की स्मृति के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन

एमएनएनआईटी इलाहाबाद में '' राष्ट्रीय शिक्षा दिवस'' मनाया गया। मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा वर्ष 2008 में की गई घोषणा के पश्चात् मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयन्ती की स्मृति में यह दिवस प्रतिवर्ष 11 नवम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर एमएनएनआईटी इलाहाबाद में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस क्रम में संस्थान में निबन्ध प्रतियोगिता तथा कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ''प्राथमिक शिक्षा तन्त्र में सुधार सरकारी विद्यालय द्वारा ही सम्भव, निजी विद्यालयों द्वारा नहीं'' विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। क्विज कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर प्रो. पी. चक्रबर्ती ने छात्रों को मौलाना अबुल कलाम के योगदान के बारे में बताया। उन्होंने अपने विचारों को व्यक्त करते हुये कहा कि ''राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, शिक्षा की समाज के लिये उपयोगिता को दर्शित करने के लिये महत्वपूर्ण दिन होता है। शिक्षा ऐसा वातावरण तैयार करने का मूलाधार है, जिसमें लोग परस्पर मित्रता और समानता के धरातल पर जुड़ सकते हैं। व्यवहारिक तथा तकनीकी शिक्षा का उल्लेख करते हुये उन्होंने कहा कि व्यवहारिक शिक्षा के मामले में हम कहीं न कहीं पीछे रह जाते हैं, हमारे देश में हर साल कई लाख बच्चे स्नातक की डिग्री प्राप्त करते हैं लेकिन उनमें से कई बेरोजगारी की भीड़ में खो जाते हैं। साक्षर होने का अर्थ केवल अक्षर ज्ञान या पढ़ाई–लिखाई जानना नहीं होता बल्कि इसका अर्थ है इंसान को अपने कर्तव्यों और अधिकारों का बोध हो ताकि उसका शोषण ना हो सके।''

विद्युत अभियंत्रण विभाग द्वारा पावर कंट्रोल एण्ड एम्बेडेड सिस्टम विषय पर तीन दिवसीय तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई.सी.पी.सी.ई.एस.–2014) का आयोजन

विद्युत अभियंत्रण विभाग एवं आई.ई.ई.ई., यू0पी0 सेक्शन के ज्वाइन्ट चैप्टर, इण्डस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स/पावर इलेक्ट्रानिक्स/कन्ट्रोल सिस्टम (आई.ई./पी.ई.एल./सी.एस.) के तत्वाधान में आई.सी.पी.सी.ई.एस. 2014 का आयोजन दिनांक 26.12.2014 से 28.12.2014 तक किया गया। इस सम्मेलन के जनरल चेयर प्रो0 रमेश कुमार त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, विद्युत अभियंत्रण विभाग एवं आयोजन समन्वयक डा0 राजेश गुप्ता, कार्यक्रम समन्वयक प्रो0 विनीता अग्रवाल एवं आयोजन सचिव डा0 दीपक कुमार थे।

सम्मेलन में आये हुए विशिष्ट अतिथियों एवं विशेषज्ञों में प्रो0 देशीनेनी शुब्रम नायडू, एवं श्री आशीष खण्डेलवाल (यू0एस0ए0), प्रो0 एस0सी0 श्रीवास्तव, प्रो0 एस0एन0 सिंह एवं प्रो0 अनिमेष विस्वास (आई.आई.टी. कानपुर), डा0 मालाबिका बासू, (डी.आई.टी. आयरलैण्ड), डा0 वी0 स्वरूप दास, (आई.आई.टी., रूड़की), प्रो0 रमेश बन्सल, (प्रीटोरिया विश्वविद्यालय साऊथ अफ्रीका), प्रो0 भीम सिंह, (आई.आई.टी. दिल्ली), प्रो0 आर0के0 पाण्डेय, (आई.आई.टी. बी.एच.यू.) ने अपने वार्ताओं से प्रतिभागियों एवं छात्र–छात्राओं को पावर, कंट्रोल और एम्बेडेड सिस्टम संबंधित विभिन्न अन्य बिन्दुओं पर उत्साहपूर्ण तकनीकी विश्लेषण एवं उत्कृष्ट व्याख्यान दिया। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के शिक्षक, विद्यार्थी और शोधकर्ताओं ने सम्मेलन में अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत

किया। इस सम्मेलन में 10 मुख्यवक्ताओं के उत्कृष्ट व्याख्यानों के अतिरिक्त विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों एवं कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया। जनरल चेयर प्रो0 आर0के0 त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष विद्युत अभियंत्रण विभाग, एम0एन0एन0आई0टी0 ने अंततः अपने समापन वक्तव्य में सभी प्रतिभागियों के उत्साह की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और सभी आयोजक सदस्यों को सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। एम0एन0एन0आई0टी0 में आई0सी0पी0सी0ई0एस0 2014 एक सफल आयोजन के साथ अपनी मूल विषय वस्तु पर आधारित पॉवर कन्ट्रोल एम्बेडेड सिस्टम के क्षेत्र में नवीन तथ्यों, शोधों एवं उपयोगिताओं का साक्षी बना।

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा '' अनुसंधान के लिये प्रेरणाः यू कैन'' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

रसायन विज्ञान विभाग एमएनएनआईटी इलाहाबाद में ''अनुसंधान के लिये प्रेरणाः यू कैन'' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 19 – 21 दिसम्बर 2014 के मध्य किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. आर. के. श्रीवास्तव, अधिष्ठाता (अनुसंधान एवं परामर्श) तथा समन्वयक, टीईक्यूआईपी–द्वितीय, एमएनएनआईटी इलाहाबाद द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रो. एस.एस. नारवी ने स्वागत भाषण एवं रसायन विज्ञान विभाग का संक्षिप्त परिचय दिया। प्रो. आर. के. श्रीवास्तव ने अपने उद्घाटन भाषण में शोध एवं अनुसंधान के लिये नवाचार को बढ़ावा देने तथा अपने अनुभवों को उपस्थित अतिथियों तथा प्रतिभागियों के साथ साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को अनुसंधान के लिये प्रोत्साहित किया तथा प्रेरणादायी महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों को अपनी क्षमता की पहचान कर व्युत्पन्न अनुसंधान के बजाय मूल अनुसंधान करने के लिये प्रोत्साहित करना चाहिये। इस कार्यशाला में व्यक्तित्व विकास एवं बौद्धिक संपदा अधिकारों और पेटेन्ट अधिकारों के नवाचारों जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। कार्यशाला के समन्वयक डा. तमल घोष ने सभी प्रतिभागियों तथा अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। स्नातक एवं परास्नातक स्तर के कुल 81 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला का आयोजन टीईक्यूआईपी–द्वितीय एवं एमएनएनआईटी इलाहाबाद से प्राप्त अनुदान द्वारा किया गया।

संरक्षक : प्रो0 पी0 चक्रबर्ती, निदेशक
सम्पादक मण्डल : प्रो. नीरज त्यागी, डा. आशीष कुमार सिंह
डा. अनिल कुमार सिंह, श्री रीतेश कुमार साहू